|| श्री मुकुन्द गोपाललालौ जयतः ||

श्रीमहाप्रभुजी श्रीगुसाईंजी की बैठक

चरणाटधाम बैठकजी जीर्णोद्धार

श्री चरणाट बैठक जी प्रवेश द्वार

स्नेही स्वजनश्री ....

....

....

श्रीमुकुन्दगोपाल सेवा संस्थान

षष्ठपीठ श्रीगोपाल मंदिर, चौखम्भा, वाराणसी (काशी)-२२१००१, उ०प्र०, भारत
दूरभाष : ०५४२-२४२०२५२/२४३७०७८

|| श्री मदाचार्यचरणकमलेभ्यो नमः || || श्रीमुकुन्द गोपाललालौ जयतः || || श्री गुसाईंजी परमदयालेभ्यो नमः ||

श्री वल्लभाचार्यचरण एवं गुसाईं श्री विट्ठलनाथ जी बैठक

चरणाटधाम

श्री गुसाईं जी प्राकट्य बैठक जीर्णोद्धार

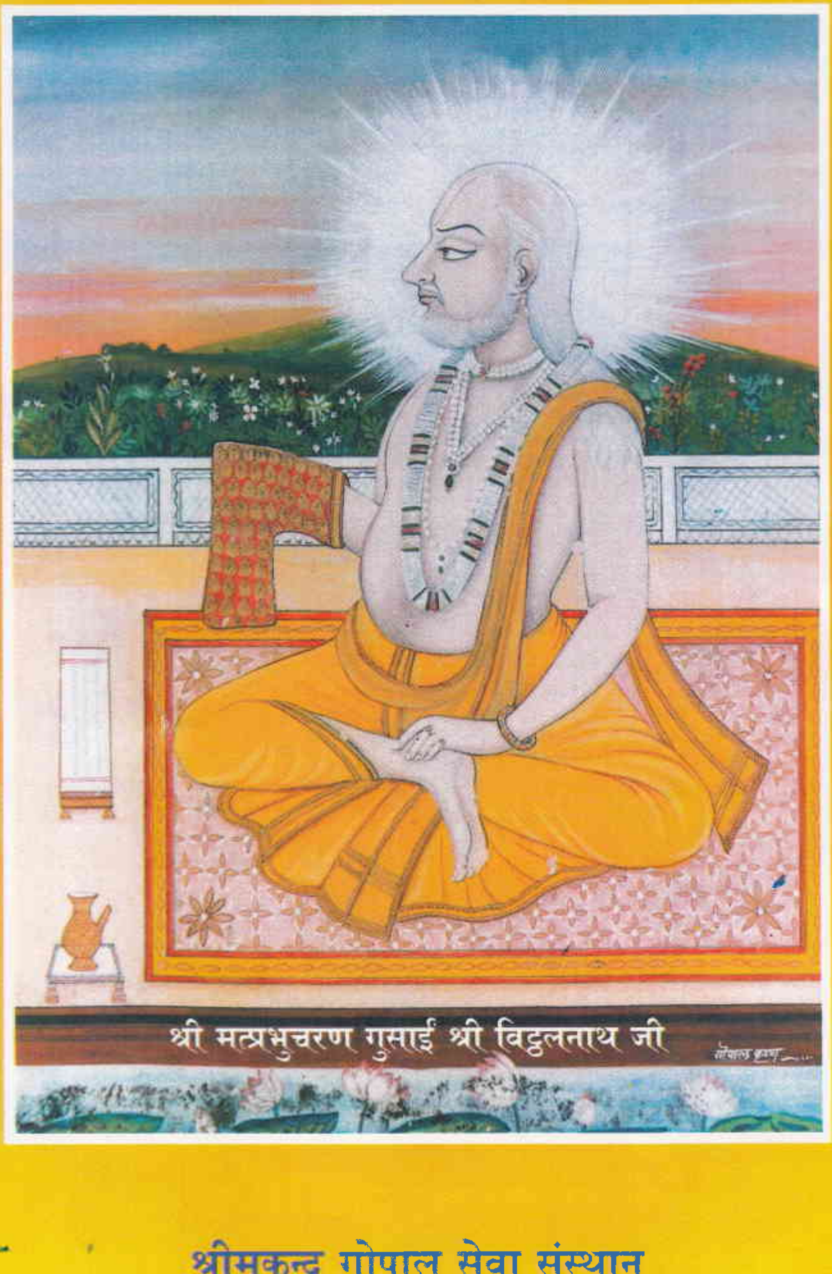

श्रीमुकुन्द गोपाल सेवा संस्थान

षष्ठपीठ मंदिर श्रीमुकुन्दराय जी श्रीगोपाललाल जी

श्रीगोपाल मंदिर, चौखम्भा, वाराणसी (काशी)-२२१००१ उ०प्र०-भारत

e-mail : shashthapeethgopalmandirvns@gmail.com

website : www.pushtishashthpeeth.org

अखण्डभूमण्डलाचार्य जगद्गुरू श्रीमद्वल्लभाचार्यचरण
(श्री महाप्रभुजी)

षष्ठलालजी श्रीयदुनाथजी
(महाराज जी)

शु० मा० षष्ठगृहाधिपति
श्री गिरिधरजी महाराज

ष०पी०धी०गो०
१०८ श्री श्याममनोहरजी महाराज

ष०पी०धी०नि०लि०गो०
१०८ श्री मुरलीधरलालजी महाराज

ष०पी०युवराज गो०,
चि० श्री प्रियेन्दु बावा साहब

कार्य निष्पादन समिति

श्री बृजरमण दास मोढ़
मो. ९७९२०५२७०८

श्री बृजमोहन दास सोनावाला
मो. ९१६१९९९९६३

श्री रमेश कुमार दिल्लीवाला
मो. ९४५३२६५८८९

श्री मुकुन्द दास विशम्भरी
मो. ९३३५७२४९७१

श्री राजेश शाह (बाबू)
मो. ९४१५३००३६८

श्री कृष्णवल्लभ सोनावाला (राजू)
मो. ९६२१४४६९६९

श्री बृजमोहनदास रेशमवाला
मो. ९८३९०६२८८८

श्री श्यामदास अग्रवाल (जी.एन.)
मो. ९८३९०५५८६८

श्री घनश्यामदास सोनावाला
मो. ९३३६९१०१६८

श्री नवीन झुनझुनवाला
मो. ९३३६९११५८३

श्री पंकज पारीख
मो. ९३०७९६२७१७

श्री मथुरादास दिल्लीवाला
मो. ९३०५४२११४०

श्री मनोज मुनीमवाला
मो. ९४५२१६०६४०

श्री मनोज रोकड़िया
मो. ९४५०२६१४०१

श्री संजय शृंगारिया
मो. ९८३९२४३२८२

श्री बृजगोपाल किनारीवाला
मो. ९११९५९५१११

श्री अखिलेश किनखाबवाला
मो. ९३३५३३६००५

अखण्डभूमण्डलाचार्य जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्यजी का निजधाम एवं श्री विट्ठलनाथ जी का प्राकट्यस्थल - चरणाटधाम

अखण्डभूमंडलाचार्यवर्य जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य ने शुद्धाद्वैत ब्रह्मवाद का प्रतिपादन करते हुए सभी पदार्थों के आधिभौतिक, आध्यात्मिक एवं आधिदैविक स्वरूपों को स्वीकारा है। आधिभौतिक दृष्टि से चरणाटधाम गंगा तट पर स्थित होने से महान् पुनीत स्थल है। चुनार की भौगोलिक स्थिति बड़ी आकर्षक है। प्राचीन काल से ही यह विन्ध्य पर्वत मालाओं के मध्य स्थित पवित्र तथा सुरम्य साधना स्थली मानी गयी है। चारो ओर सरिता-सरोवर, पर्वत, जंगल, झरने, कुण्डों आदि की बहुतायत है। शांत और निर्जन वन में पहुँच कर प्रत्येक जीव को आत्मिक-शांति का स्वभाविक अनुभव होता है। हरिद्वार से मैदान की ओर बहने वाली गंगा पहली बार चरणाटधाम में विन्ध्य पर्वत मालाओं से स्पर्श कर काशी की ओर बहती हैं। जनश्रुति है कि चुनार (चरणाट) में गंगा उल्टी बहती हैं। यहाँ गंगा में एक घुमाव है। नदी उत्तर-पश्चिम की ओर घूमकर फिर पूर्व दिशा में मुड़ कर काशी की ओर प्रस्थान करती हैं। भौगोलिक दृष्टि से चरणाट अक्षांश २५/८ और देशान्तर ८५/५६ पर स्थित है। विन्ध्य पर्वत खण्ड का आकार चरण के समान है। उत्तर में पंजे के रूप में तथा दक्षिण में एड़ी जैसा है। इसी वजह से इसका प्राचीन नाम चरणाद्रि है।

आध्यात्मिक दृष्टिकोण से चरणाटधाम को चरणाद्रि कहा गया है। भगवान ने राजा बलि पर कृपा करने के लिये वामन अवतार धारण किया। यह भक्तोद्धारक अवतार था। भक्तोद्धारक अवतार होने के नाते यह उत्सव पुष्टिमार्गीय सेवा पद्धति में मनाया जाता है।

दूसरा पक्ष यह भी है कि इसमें समर्पण का सिद्धान्त निहित है। राजा बलि ने अपना सर्वस्व श्रीठाकुरजी को समर्पित कर दिया जब भगवान ने दो पग में सारी पृथ्वी नाप ली तब प्रथम चरणारबिन्द चरणाटधाम में पड़ा और वह आजतक चरण पहाड़ी पर स्थापित है। इसलिये इस स्थल का नाम चरणाद्रि पड़ा। प्राचीन इतिहास में यहाँ पत्थरों की बहुतायत होने के कारण इसे पत्थरगढ़ भी कहा जाता है। जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्यचरण तीसरी पृथ्वी परिक्रमा कर वि०सं० १५७२ में यहाँ पधारे। आधिदैविक दृष्टिकोण से इस महत्वपूर्ण स्थल का नाम चरणाटधाम है। जैसे गर्ग संहिता में ''गोलोक धाम'' है और श्रीमद्भागवत में ''ब्रज धाम'' है उसी प्रकार चरणाटधाम है। धाम का अर्थ स्थायी निवास से है। गोलोक धाम नित्य है, वहाँ नित्य लीला है। वल्लभाख्यान में श्री गोपालदासजी के हृदय कमल में विराज कर श्रीगुसाईं जी ने आज्ञा की 'नित्य लीला नित्य नौतन श्रुति न पाये पार'। जिस प्रकार गोलोक धाम का वर्णन गर्ग संहिता में मिलता है उसी प्रकार ब्रज धाम का वर्णन श्रीमद्भागवत में मिलता है। चरणाटधाम गुप्त वृन्दावन है। यहाँ की चरणपहाड़ी श्रीगिरिराजजी की भावना से विराजमान है। इस चरण पहाड़ी को श्रीगिरिराज महाराज का छोटा भाई माना गया है। गौरी तन्त्र में कालमहादेवोत्क श्लोक इस बात को प्रमाणित करता है कि चरणाटधाम गुप्त वृन्दावन है।

पौष कृष्ण नवभ्याज्च विट्ठलेशेतिसञ्ज्ञकः। द्विजालये महादेवि काश्याः सन्निहिते हरि।।
गुप्तं वृन्दावनं यत्र नाना पक्षि-समाकुलम्। गिरिराज-कनिष्ठस्य चरणाद्रेश्च गह्वरे।।

आनंदकंद भगवान श्रीकृष्ण नित्य प्रति इस गुप्त वृन्दावन में रास क्रीड़ा किया करते हैं।

पुष्टिमार्ग वेद प्रतिपादित है अतः वेद पथ का विस्तार करने हेतु चरणाटधाम में पुष्टि पुरुषोत्तम गुसाईं श्रीविट्ठलनाथजी का प्राकट्य वि०सं० १५७२ में पौष कृष्ण नवमी को हुआ। इस प्राकट्य से ब्रज की शोभा बढ़ गयी थी। आपके प्राकट्य पर नन्द महोत्सव के समय आचार्य कूप (बैठक जी के अंदर स्थित कूप) से श्री नन्द-यशोदा एवं गोप-गोपिका साक्षात प्रगट हुए और अलौकिक नंदमहोत्सव हुआ। आज भी प्रति वर्ष श्री प्रभुचरण के उत्सव पर उस दिन की स्वर्णिम स्मृति नव पल्लवित हो जाती है।

जगद्गुरु महाप्रभु श्रीमद्वल्लभाचार्य तीसरी पृथ्वी परिक्रमा कर वि०सं० १५७२ में चरणाट पधारे। यहाँ आपने भागवत् सप्ताह पारायण किया तथा इस स्थल को अपना निजधाम बनाया। आपश्री की ८४ बैठकों के क्रम में यह अंतिम (८४वीं) बैठक है। इसी स्थल पर गुसाईं श्रीविट्ठलनाथजी के प्राकट्य के ठीक एक दिन पहले आपको वैरागी द्वारा श्रीविट्ठलनाथ प्रभु (वर्तमान में द्वितीयपीठ के ठाकुर) की प्राप्ति हुई थी। आपश्री की बैठक एवं प्रभुचरण की प्राकट्य स्थली होने के कारण इस परिसर का महत्व अलौकिक है। प्रतिवर्ष हजारों की संख्या में वैष्णवजन इस स्थल पर आते हैं। वैष्णवों के सुविधार्थ आधुनिक सुख सुविधाओं से युक्त ४६ कमरों वाले 'श्री विट्ठलेश अतिथि

भवन' का लोकार्पण विगत वर्ष सम्पन्न हुआ। अतिथि भवन में निर्माण की योजना को मूर्त रूप देते समय ही प्रभु कृपा से सबके मन में यह इच्छा जागृत हुई कि अब बैठक जी का भी जीर्णोद्धार हो जाना चाहिये।

बैठक का विशाल भवन अत्यन्त प्राचीन बड़े ही भव्य रूप में ३ आंगन से सुशोभित है। जो अत्यन्त प्राचीन है जिसके जीर्णोद्धार की अब अत्यन्त आवश्यकता प्रतीत हो रही है।

इस भवन के जीर्णोद्धार एवं पुनर्निर्माण की महत्वपूर्ण योजना संकल्पित है। आगामी विक्रम सम्वत् २०७१ मि० पौष कृष्ण नवमी से श्रीगुसाईंजी की पंञ्चशताब्दी वर्ष का आयोजन अत्यन्त भव्य रूप से मनाने की योजना बन रही है। इस हेतु इसके पूर्व ही भवन के जीर्णोद्धार व पुनर्निर्माण का कार्यक्रम पूरा होना अति आवश्यक है।

पुनर्निर्माण के इस महान कार्य में आप सभी वैष्णवजनों का तन मन धन से सहयोग पूर्ण रूप से अपेक्षित है। आप सब इस महान संकल्प में सहभागी बनकर अपने जीवन को कृतार्थ करें।

विभिन्न शहरों में हमारे वैष्णव प्रतिनिधि

अहमदाबाद
श्री हितेन्द्र भाई शाह
मो. ०९८२४०४६६९२

आगरा
श्री हरीदास जी शर्मा
फोन ०५६२३२४९००५
श्री संगीता जी
फोन ०५६२२५२३१७३
श्री पप्पू जी
श्री शांतीस्वरूपजी गोयल

इलाहाबाद
श्री पीयूष अग्रवाल

कानपुर
श्री विट्ठलदास माहेश्वरी (मोहता)
मो. ०७४९९१३४६२३
श्री अनिल कुमार भूंतड़ा
मो. ०९८३९०३५६९०
श्री जगतनारायन रस्तोगी
फोन ०५१२-२३०५०७२
श्री रमेश भाई
मो. ०९३०५३३०११७
श्री राजकिशोर रस्तोगी

कोलकाता
श्री राम कुमार कोठारी
मो. ०९३३०८१८५८४
श्री मनमोहन बागड़ी
मो. ०९८३१२०१७३७
श्री बृजमोहन बागड़ी

खंडवा
श्री मधुसूदन दास शाह
मो. ०९३००२६५४२०

गाजीपुर
श्रीमती सुमन विजयकुमार अग्रवाल

जामनगर
श्री किशोर पारेख
श्री अश्विनभाई उड़नकट

उपलेटा
श्री ललितभाई पुरोहित

गोरखपुर
श्री प्रकाश जी अग्रवाल

चेन्नई
श्री राकेश कुमार अग्रवाल
मो. ०९३८१०७२६३८
श्री पी. कृष्णदासजी,
श्री पी. गोविन्ददासजी एवं
श्री पी. हरिदासजी
(मेसर्स गोकुलदास जमुनादास)

चुनार
श्री आनन्दजी अग्रवाल
श्री श्रीप्रकाश अग्रवाल
श्री नरेन्द्र कुमार अग्रवाल

जबलपुर
श्री बालकृष्ण दास जी मालपानी
श्री प्रकाश जी मालपानी
मो. ०९४२५१५५०३२

जयपुर
श्री गोविन्ददास मालपानी जी
फोन ०१४१४०३१०२०
श्री दीपक शाह
मो. ०९४१४२४९०२३
श्री प्रकाश जी सिंघी
श्री गोवर्धन जी भगत
मो. ०९९२९६५०२६०

बढ़वान-सुरेन्द्र नगर
श्री सुभाष भाई कंसारा
श्री ललित भाई कंसारा

जोधपुर
श्री श्याम जी व्यास
मो. ०९४१३७६६०३०
श्री सोहन जी व्यास
मो. ०९८२८०३३१३३

जूनागढ़
श्री अम्मू भाई सुन्दरजी

नई दिल्ली
श्री योगेश कुमार सोनी
मो. ०९८१०००२५१९
श्री यशपाल जी
श्री महेन्द्र नागर

पटना
श्री विनय
मो. ०९३३४१११४४२
श्री सुरेश
मो. ०९३०४८३९४५९

बड़ौदा
श्री जयन्त भाई
मो. ०९३२४०८९६१८
श्री लाला भाई (गौरी साड़ीवाला)
मो. ०९८२४२५०८४७

भरुच
श्री विजय भाई
मो. ०९८९८७१८२२२
श्री गिरीश एन. शाह (सी.ए.)

मुम्बई
श्री गुलाब भाई
श्री मनसुख भाई
मो. ०९८६७४७७४४४
श्री हर्षवर्धन अग्रवाल
श्री नितिन भाई
मो. ०९८२००५४४८८
श्री मुरली दास अग्रवाल
मो. ०९८२१५५०१४२

मुरादाबाद
श्री ललित पोरवाल
मो. ०९४१००५१०००
श्री मनमोहन पोरवाल
फोन ०५९१२४११०५१

राजकोट
सुश्री सोनलबेन बगड़ाई
मो. ०९९७९१३५४१४
श्री चिमन भाई
श्री गोपाल भाई

लखनऊ
श्री अरविंदजी रस्तोगी
मो. ०९३३५९१२६७६
श्री मदनजी रस्तोगी
मो. ०९४५१४०७२८४
श्री अरुणजी रस्तोगी
मो. ०९४१५५१३५९५

सूरत
डा० पानसुरिया
मो. ०९४२७६४६२०१
श्री मनसुखभाई वढ़वाणा
श्री विट्ठलभाई टीकरवाला

हैदराबाद
श्री बृजमोहन दास मूंदड़ा
श्री अरुण जी मूंदड़ा
श्री मुरारीदास मूंदड़ा
मो. ०९८४९४७०७११

इन्दौर
श्री बृजरमणदास किनारीवाला
(पापा भाई)
मो. ०९९७७१३९६६४

समन्वय समिति

श्री अरविन्द जी अग्रवाल (होटल क्लार्क)
श्री जगदीश दास राणाशाह
श्री मल्लाबाबू, मऊ कोठी
श्री सूर्यकांत जालान
श्री प्रकाश जी सर्राफ
श्री प्रवीण अग्रवाल (सिल्क क्रियेशन)
श्री बलरामदास सोनावाला
श्री कुमार अग्रवाल (हर्ष गैस)
श्री अशोक जी सर्राफ
श्री सुमन कुमार सिंधी
श्री निलेश कुमार पंसारी (एम.पी.)
श्री गोविन्द वल्लभ अग्रवाल (जी.एन.)
श्री जीवनदास सोनावाला
श्री माधव दास मुनीमवाला
श्री वल्लभदास मुनीमवाला
श्री गोपालकृष्णदास (ओक्का भईया)
श्री ध्रुवजी अग्रवाल
श्री अतुल हाथीदाँतवाला
श्री वल्लभ दास नागपुरी
श्री अजयकृष्ण अग्रवाल
श्री बृजरमनदास सदानंद नित्यानंद
श्री अनुज कुमार गोठी
श्री मुकुन्द दास मुनीमवाला
श्री सुमित शृंगारिया
श्री सचिन्द्र मंदिर वाला (बल्लीभईया)
श्री श्यामदास मुनीमवाला
श्री जमुनावल्लभदास (भैय्यनजी)
श्री अतुल बगीचावाला
श्री वृजेश अग्रवाल
श्री गोवर्धन दास मुनीमवाला
श्री नवीन सोनावाला
श्री अतुल छापाखाना
श्री उमाशंकर पोद्धार
श्री बलराम दास टकसाली
श्री मनोहरदास लाड़
श्री गिरिशचन्द्र चौधरी
श्री मोहनदास खण्डवाला
श्री राजेन्द्र कुमार नागर (हाथीदाँतवाला)
श्री घनश्यामदास नागर
श्री मुकुन्द लाल टंडन
श्री अनूप कुमार अग्रवाल (जी.एन.)
श्री नरोत्तमदास खण्डवाला
श्री विट्ठलदास सोनावाला
श्री नरोत्तम दास अढ़तिया
श्री हरेकृष्ण अग्रवाल, मऊ कोठी
श्री बालकृष्ण अग्रवाल (वल्लू भईया)
श्री बृजभवनदास खण्डवाला
श्री के. हरीदास (आर.बी.आई.)

श्री राजकृष्णदास अग्रवाल (मऊ कोठी)
श्री नागरीदास अग्रवाल
श्री नरोत्तमदास सोनावाला
श्री संतोष विशम्भरी
श्री नरोत्तमदास दिल्लीवाला
श्री संजय गुजराती, काठ की हवेली
श्री अतुल बिलाईवाला
श्री भरत सोनावाला
श्री गोपीकृष्ण सतभईयावाला
श्री अनिल मुनीमवाला
श्री नारायणदास अग्रवाल
श्री नवीन नागर
श्री बृजमोहनदास विशम्भरी
श्री शैलेन्द्र कुमार मुनीमवाला
श्री सुनील दलालवाला
श्री अशोक छापखाना
श्री हरिमोहनशाह (मधुलिका)
श्री गोवर्धनदास अग्रवाल (जी.एन.)
श्री शान्तिलाल दलालवाला
श्री कुंजलाल कोठारी
श्री गोपालनारायण अग्रवाल
श्री राजकुमार कोठारी
श्री गिरिधरदास पारिख
श्री जगमोहनदास दिल्लीवाला
श्री कन्हैयालाल शाह
श्री विजयकृष्ण अग्रवाल (मूनजी)
श्री प्रदीप अग्रवाल (बटुआ)
श्री ब्रजकिशोरदास (बंगाली)
श्री अनिल शर्मा
श्री बलरामदास मुनीमवाला
श्री सुरेश मुनीमवाला
श्री राकेश विशम्भरी
श्री अनूप विशम्भरी
श्री किशन अग्रवाल
श्री आशीष गोठी
श्री नवीन आगरावाला
श्री शरदपोरवाल
श्री सुनील नागपुरी
श्री बृजरतनदास विशम्भरी
श्री बलदेवदास किनखाबवाला
श्री जगमोहनदास सदानंद नित्यानंद
श्री सुन्दरदास पटनावाला
श्री विवेक कुमार गुप्ता
श्री प्रियेश शृंगारिया
श्री संतोष, सिद्धमाता गली
श्री मनीष मुनीमवाला
श्री दामोदरदास, हाथीगली
श्री बलदेवदास पटनावाला

श्री बृजरतनदास (लल्लूभईया)
श्री रूपेश विशम्भरी
श्री विपुल गुजराती
श्री पियूष शृंगारिया
श्री श्यामल मुनीमवाला
श्री शिशिर मुनीमवाला
श्री अश्विन बिलाईवाला
श्री रोहित श्रीमाली
श्री बृजकिशोर किनारी वाला
श्री बृजरतनदास सदानंद नित्यानंदवाला
श्री मुरारीदास अग्रवाल
श्री अभय मुनीमवाला
श्री जगदीश कुमार जौहरी
श्री नीरज अग्रवाल (आर.के. मार्बल)
श्री राजेश सेठवाला
श्री जयेश किनखाबवाला
श्री श्रीनाथदास (गणेशजी)
श्री रमेश कुमार अग्रवाल (पाइपवाला)
श्री विजय नागर
श्री संजय अग्रवाल (जेवर कोठी)
श्री प्रकाश टण्डन
श्री अशोक अढ़तिया
श्री अरूण आशर
श्री बलदेवदास गुप्त, एडवोकेट
श्री भगवानदास अढ़तिया
श्रीमती रूपा बेन रेशमवाला
श्रीमती सुमन विशम्भरी
श्रीमती अमिता बेन दिल्लीवाली
श्रीमती ऋतु झुनझुनवाला
श्रीमती ममता मऊकोठी
श्रीमती छाया बेन
श्रीमती कनक विशम्भरी
श्रीमती वसुधा नागर
श्रीमती शोभा टकसाली
श्रीमती पुष्पा मुनीमवाली
श्रीमती सरला मुनीमवाली
श्रीमती किरण बेन
श्रीमती बबली बेन
श्रीमती शीलाबेन मुनीमवाला
श्रीमती पुष्पा गोठी
श्रीमती कुसुम विशम्भरी
श्रीमती मीना श्रीमाली
श्रीमती सुनीता मुनीमवाला
श्रीमती मृदुला दिल्लीवाला
श्रीमती मुन्नी बेन श्रीमाली
श्रीमती वर्षा बेन
श्रीमती मीतू गोठी

चरणाट धाम बैठकजी जीर्णोद्धार समिति

संरक्षक / अध्यक्ष

षष्ठपीठाधीश्वर गो० १०८ श्री श्याममनोहर जी महाराज

निदेशक एवं सेवा संग्रह समिति

श्री राधेकृष्ण अग्रवाल (काजूबाबू)
मो.: ९९१९१००४५५

श्री सर्वेशजी अग्रवाल
मो.: ९३३६९१७४४४

श्री गणेशदास गुप्ता, मुम्बई
मो.: ०९८२०१८३६८६

श्री अशोक कुमार पंसारी (लालूभाई)
मो.: ९८३१०४९७६०

श्री नारायणदास राणाशाह
मो.: ९८३१०८०५५५

श्री राजेश कुमार अग्रवाल (जी.एन.)
मो.: ९५५४९६६५६५

श्री गिरधरदास दलालवाला
मो.: ९४१५२२२१३८

श्री अश्विनभाईधर्मश्री, मस्कट
सम्पर्क मो.: ९८३११४५२३०

श्रीमती चम्पाबेन देवजीभाई सागर, बहरीन
सम्पर्क मो.: ०९८३७१४४२४५

श्री वल्लभदास सोनावाला
मो.: ९३३६९१०१६८

श्री धनश्यामदास पंसारी
मो.: ९८३१०५१७६०

श्री मुकुन्दवल्लभ अग्रवाल (जी.एन.)
मो.: ९८३१०५६१३१

श्री भरतजी सर्राफ
मो.: ९८३१२१०११०

श्री अनूप कुमार अग्रवाल, रूद्रा
मो.: ९८३१०८०१४०

श्री मुकुन्दलाल सेलट
मो.: ७३७९०६५२३४

श्री अरूण पारीख
मो.: ९८३१३८४८२५

श्री राममोहन अग्रवाल
मो.: ९५६५९२८९८३

श्री मधुसूदन दास सोनावाला
मो.: ९८३८००४८६६

श्री श्यामदास (दीपाली)
मो.: ९८३११४५२३०

श्री सुशीलकुमार अग्रवाल (मक्खनजी)
मो.: ९८३१५०६२२०

श्री मनोहरदास गुजराती (सी.ए.), दिल्ली
मो.: ०९८१००८१०२२

श्री अखिलेश खेमका
मो.: ९३३५७४१००५

सलाहकार

श्री दीपक गुजराती (सी.ए.)
मो. ९३२७०२५१३१

श्री हरी दास पारीख
मो. ९८८९०२६७११

परमभगवदीय वैष्णवजन चरणाटधाम बैठकजी के जीर्णोद्धार कार्य में अपने तन-मन-धन का भगवत कार्यार्थ विनियोग कर, अपने जीवन को कृतार्थ करने का अवसर प्राप्त करें।

- आप द्वारा सेवा मुकुन्दगोपाल सेवा संस्थान के नाम से चेक अथवा ड्राफ्ट के द्वारा प्रेषित कर सकते हैं, संस्थान का PAN NO. AABTS1753K है।
- आप अपनी सेवा संस्थान के यूनियन बैंक आफ इंडिया, विश्वेश्वरगंज शाखा वाराणसी IFSC Code UBINO 538655/MICR Code 221026007 के बचत बैंक खाता सं. 386502010006729 में भी सीधे जमा करा सकते हैं।

आप द्वारा दी गई सेवा पर आयकर की धारा 80G के अन्तर्गत छूट प्राप्त होगी।